B.Ed. IInd year

Subject :- Knowledge language & Curriculum

Topic :- Difference between silent Reading and Loud Reading

मौन पठन तथा सस्वर पठन मे अन्तर

क्र० स०	मौन पठन	सस्वर पठन
1	मौन पठन बिना होठ हिलाये मन ही मन किया जाता है।	सस्वर पठन भावानुकूल वाणी मे किया जाता है।
2.	इसके अन्तर्गत उच्चारण पर बल नही दिया जाता है।	इसके अन्तर्गत शुद्ध उच्चारण पर अत्यन्त बल दिया जाता है।
3.	मौन पठन मे थकान कम होती है।	सस्वर पठन मे बोलने के कारण शीघ्र थकान हो जाती है, क्योकि इसमे बोलना पड़ता है।
4	मौन पठन मे समय व श्रम की ~~बचत~~ बचत होती है।	सस्वर पठन मे समय व श्रम अधिक लगता है।
5.	मौन पठन का दैनिक जीवन मे अत्यधिक प्रयोग किया जाता है।	सस्वर पठन मे अधिकतर छात्र जीवन तक ही सीमित होता है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

Page No. 2.
DATE: / /

क्र० सं०	मौन पठन	सस्वर पठन
6	मौन पठन सामूहिक वाचन के लिए अत्यन्त उपयोगी है।	सस्वर पठन सामूहिक पठन के लिए उपयोगी नहीं है।
7.	मौन पठन में छात्र का ध्यान चिन्तन पर ही रहता है।	सस्वर पठन में छात्र का ध्यान उच्चारण पर अधिक रहता है।
8.	मौन पठन से स्वाध्याय में रुचि उत्पन्न होती है।	सस्वर पठन में स्वाध्याय में रुचि उत्पन्न नहीं होती है।
9.	मौन पठन उच्च कक्षाओं में उपयोगी है।	सस्वर पठन प्रारम्भिक कक्षाओं में उपयोगी है।
10.	मौन पठन में छात्र का ध्यान सदैव विषयवस्तु पर केन्द्रित रहता है।	सस्वर पठन में छात्र कभी-कभी बिना अर्थ समझे ही पढ़ता जाता है।
11.	मौन पठन के भी दो भेद होते हैं। — गम्भीर और द्रुत पठन।	सस्वर के भी दो भेद होते हैं — व्यक्तिगत और सामूहिक पठन।

Scanned with CamScanner